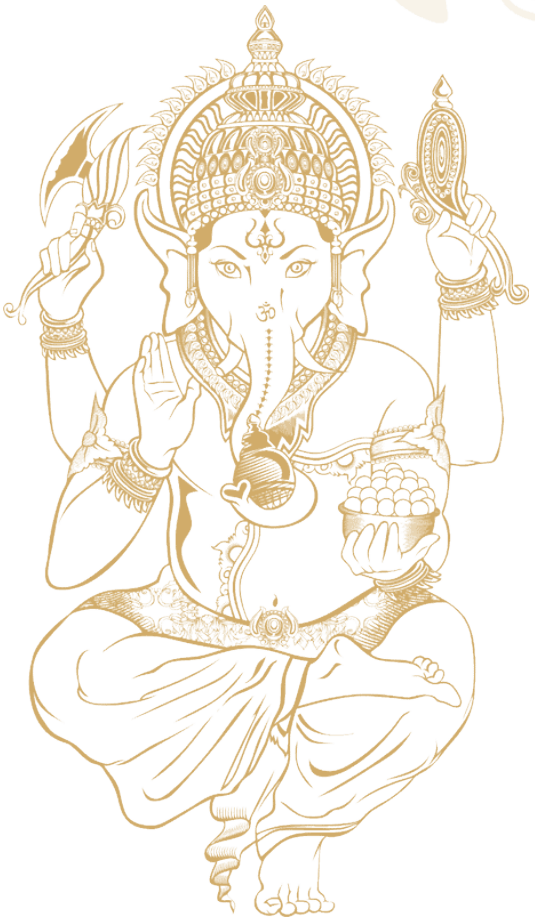

3 Gdrs

04 Aug 1778

08:30 AM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121898702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/08/1778**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	07:25:34 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	79:57:01 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:00:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:30:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:39 घंटे
साम्पातिक काल	05:21:05 घंटे
सूर्योदय	05:31:46 घंटे
सूर्यास्त	18:40:01 घंटे
दिनमान	13:08:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:57:00 कर्क
लग्न के अंश	00:17:42 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:17:42	331:09:05	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			कर्क	20:57:00	00:57:29	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	03:24:45	11:51:45	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			कर्क	03:19:00	00:38:56	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध		अ	सिंह	01:40:42	01:52:29	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	10:59:14	00:12:35	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	25:10:26	01:11:28	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			तुला	18:16:48	00:02:11	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	उच्च राशि
राहु			मिथु	08:14:18	00:00:31	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	उच्च राशि
केतु			धनु	08:14:18	00:00:31	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			वृष	27:47:22	00:02:26	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
नेप			कन्या	06:36:47	00:01:40	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		मक	09:35:43	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	00:17:42	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 20:45:41

लग्न-चलित

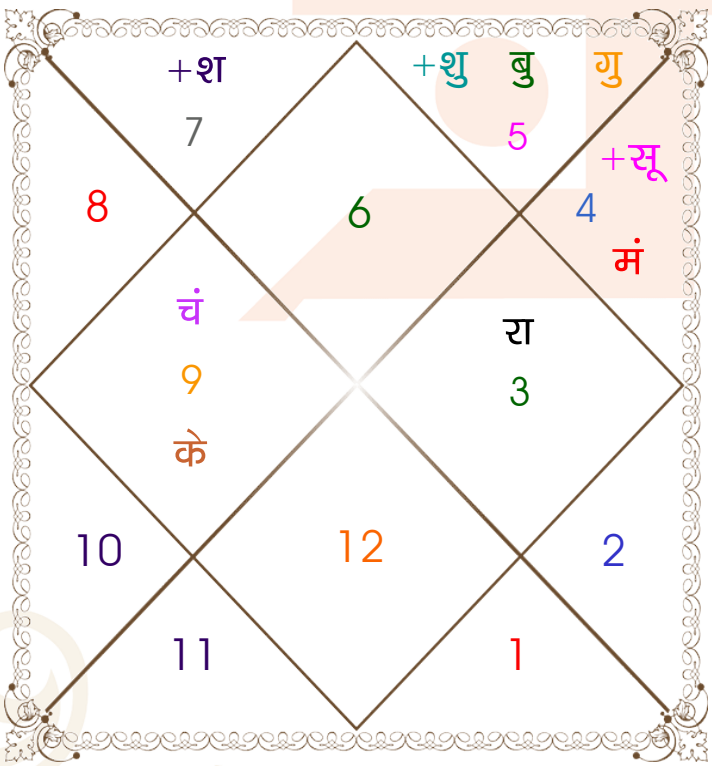

चन्द्र कुंडली

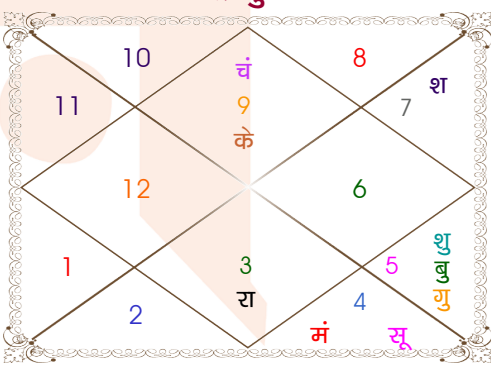

नवमांश कुंडली

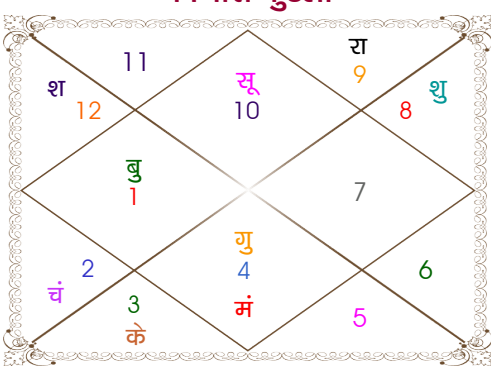

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/08/1778		19/10/1783		20/10/1803		20/10/1809		20/10/1819	
19/10/1783		20/10/1803		20/10/1809		20/10/1819		20/10/1826	
	00/00/0000	शुक्र	18/02/1787	सूर्य	07/02/1804	चंद्र	20/08/1810	मंगल	17/03/1820
	04/08/1778	सूर्य	18/02/1788	चंद्र	07/08/1804	मंगल	21/03/1811	राहु	05/04/1821
सूर्य	22/09/1778	चंद्र	19/10/1789	मंगल	13/12/1804	राहु	19/09/1812	गुरु	12/03/1822
चंद्र	23/04/1779	मंगल	19/12/1790	राहु	07/11/1805	गुरु	19/01/1814	शनि	21/04/1823
मंगल	19/09/1779	राहु	19/12/1793	गुरु	26/08/1806	शनि	20/08/1815	बुध	17/04/1824
राहु	06/10/1780	गुरु	19/08/1796	शनि	08/08/1807	बुध	19/01/1817	केतु	13/09/1824
गुरु	12/09/1781	शनि	19/10/1799	बुध	14/06/1808	केतु	20/08/1817	शुक्र	13/11/1825
शनि	22/10/1782	बुध	20/08/1802	केतु	19/10/1808	शुक्र	21/04/1819	सूर्य	21/03/1826
बुध	19/10/1783	केतु	20/10/1803	शुक्र	20/10/1809	सूर्य	20/10/1819	चंद्र	20/10/1826

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/10/1826		19/10/1844		19/10/1860		20/10/1879		19/10/1896	
19/10/1844		19/10/1860		20/10/1879		19/10/1896		00/00/0000	
राहु	02/07/1829	गुरु	08/12/1846	शनि	23/10/1863	बुध	18/03/1882	केतु	18/03/1897
गुरु	26/11/1831	शनि	20/06/1849	बुध	02/07/1866	केतु	15/03/1883	शुक्र	18/05/1898
शनि	02/10/1834	बुध	26/09/1851	केतु	11/08/1867	शुक्र	13/01/1886	सूर्य	05/08/1898
बुध	20/04/1837	केतु	01/09/1852	शुक्र	11/10/1870	सूर्य	19/11/1886		00/00/0000
केतु	09/05/1838	शुक्र	03/05/1855	सूर्य	23/09/1871	चंद्र	20/04/1888		00/00/0000
शुक्र	08/05/1841	सूर्य	19/02/1856	चंद्र	23/04/1873	मंगल	17/04/1889		00/00/0000
सूर्य	02/04/1842	चंद्र	20/06/1857	मंगल	02/06/1874	राहु	04/11/1891		00/00/0000
चंद्र	02/10/1843	मंगल	27/05/1858	राहु	08/04/1877	गुरु	09/02/1894		00/00/0000
मंगल	19/10/1844	राहु	19/10/1860	गुरु	20/10/1879	शनि	19/10/1896		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।